

मेरे अपने आप प्राण  
उलटगुलट कथा



लेखिका: गीता धर्मराजन | चित्रांकन: अतनु राय

क





**क**  
KATHA

पहला हिंदी संस्करण 1992, दूसरा संस्करण 2009  
तीसरा संस्करण 2011, चौथा संस्करण 2013, पाँचवाँ संस्करण 2015  
कृति स्वामित्व © कथा, 1992  
लेखन कृति स्वामित्व © गीता धर्मराजन, 1992  
मौलिक चित्रांकन कृति स्वामित्व © अतनु राय, 1992  
स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के  
किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के  
रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।  
नई दिल्ली द्वारा मुद्रित  
ISBN 978-81-85586-05-2

कथा एक पंजीकृत अलाभकारी संस्था है। कथा का मुख्य उद्देश्य है  
बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रुचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा  
देना। कथा स्कूल दिल्ली के बस्ती, मोहल्लों और अरुणाचल प्रदेश  
के आदिवासी क्षेत्रों में स्थित हैं।

ए-3 सर्वोदय एनक्लेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नई दिल्ली-110017  
दूरभाष: 4141 6600 . 4182 9998 . फ़ैक्स: 2651 4373

ई-मेल: [marketing@katha.org](mailto:marketing@katha.org)

वेबसाइट: [www.katha.org](http://www.katha.org)

कथा नियमित रूप से पेड़ लगाती है उस लकड़ी के बदले, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।  
इस किताब की बिक्री से मिली राशि का 10% अलघाधिकारी बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।



आधा राजा, आधा ओझा,  
भागा आया लाल एक झोला।



राजा



ओझा

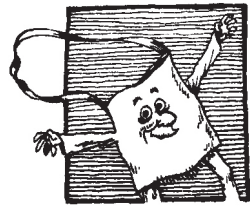


झोला





झोले में थी मोटी रानी



झोला



रानी

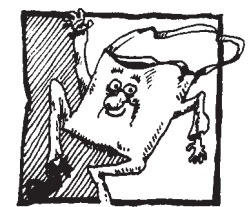
‘गिली गिली गोला,’ बोली रानी।



ओझा

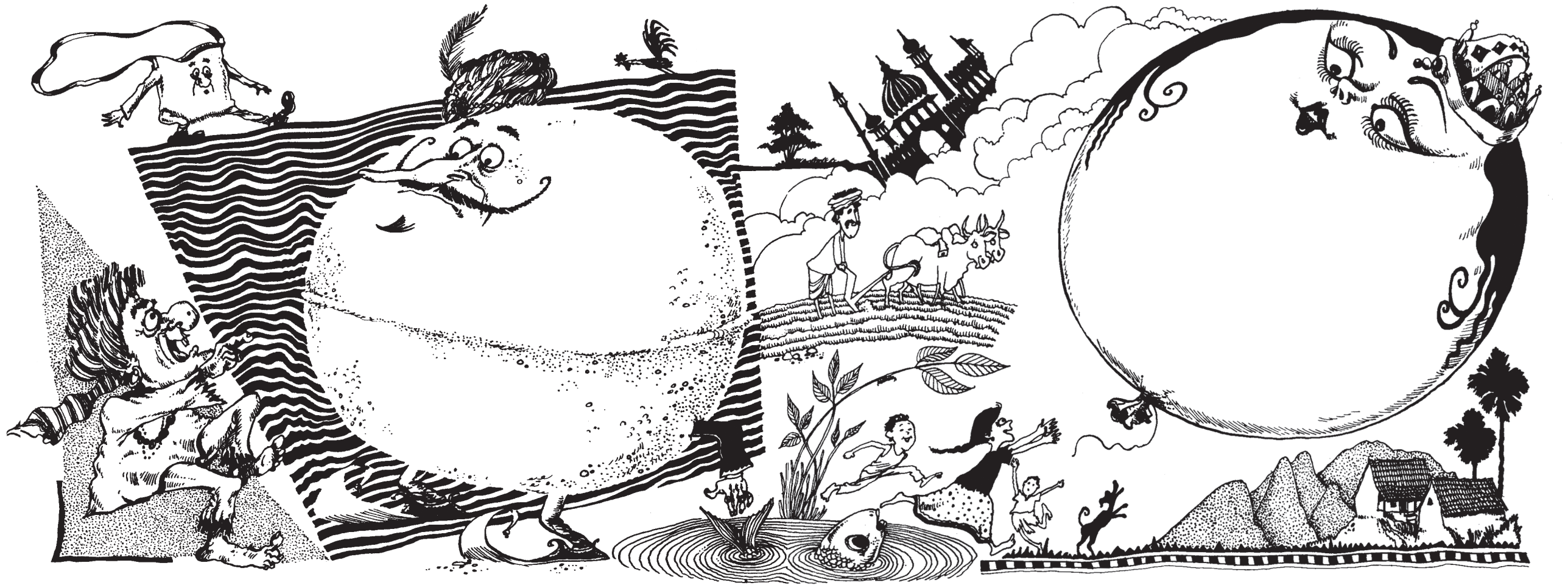


रानी



झोला



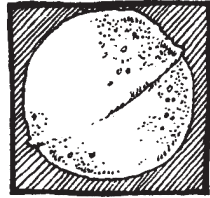


राजा बन गया गोलगप्पा

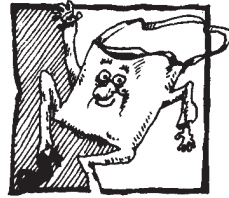
बन गई रानी गुब्बारा।



ओझा



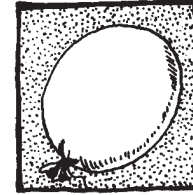
गोलगप्पा



झोला

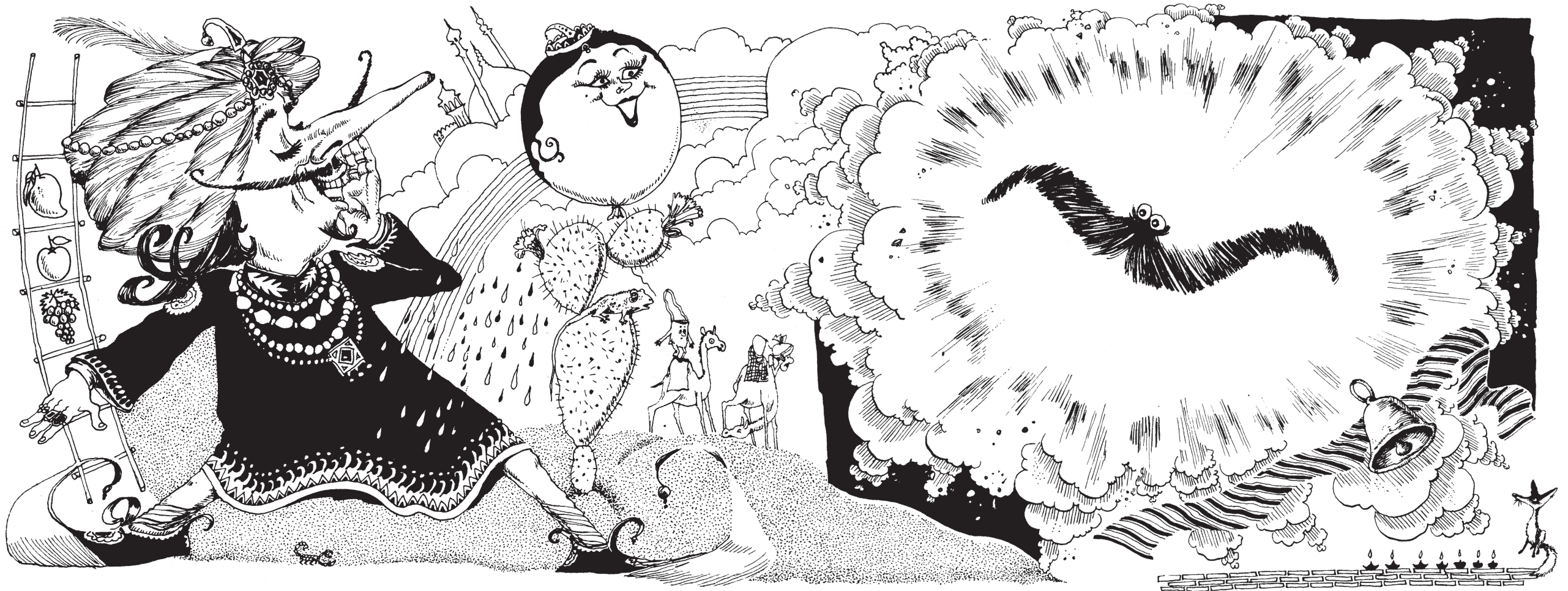


रानी



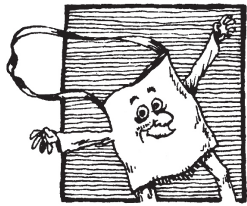
गुब्बारा





‘गोली गोली गप्पा,’ बोला राजा

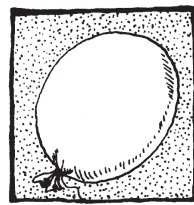
नीली मूँछ बन गया ओझा।



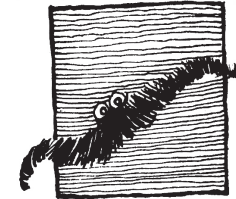
झोला



राजा



गुब्बारा



मूँछ



ओझा



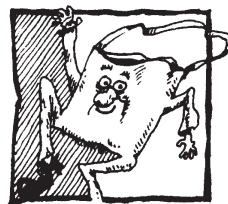


झोला भागा इधर-उधर

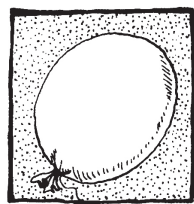
बना मूँछ की पूँछ किधर?



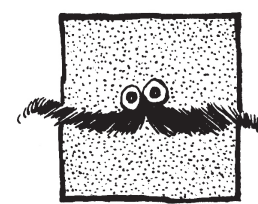
राजा



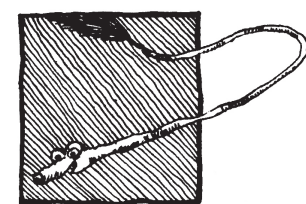
झोला



गुब्बारा



मूँछ



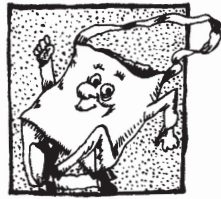
पूँछ





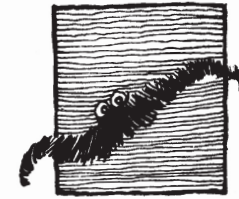
पूंछ-मुंछ थी राजा को मिली

मुंछ राजा ने रानी को दे दी।



झीला

राजा



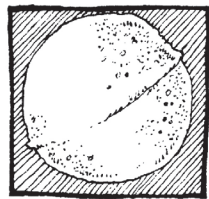
रानी

मुंछ

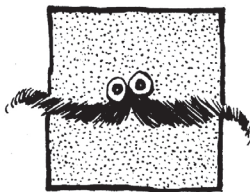




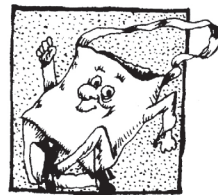
झोले को न मिली थी मूंछ,  
ले भागा राजा की पूंछ।



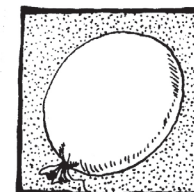
गोलगप्पा



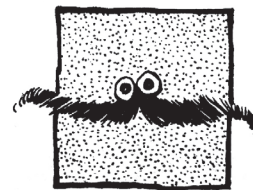
मूंछ



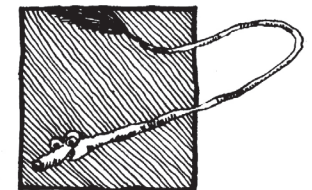
झोला



गुब्बारा



मूंछ



पूंछ



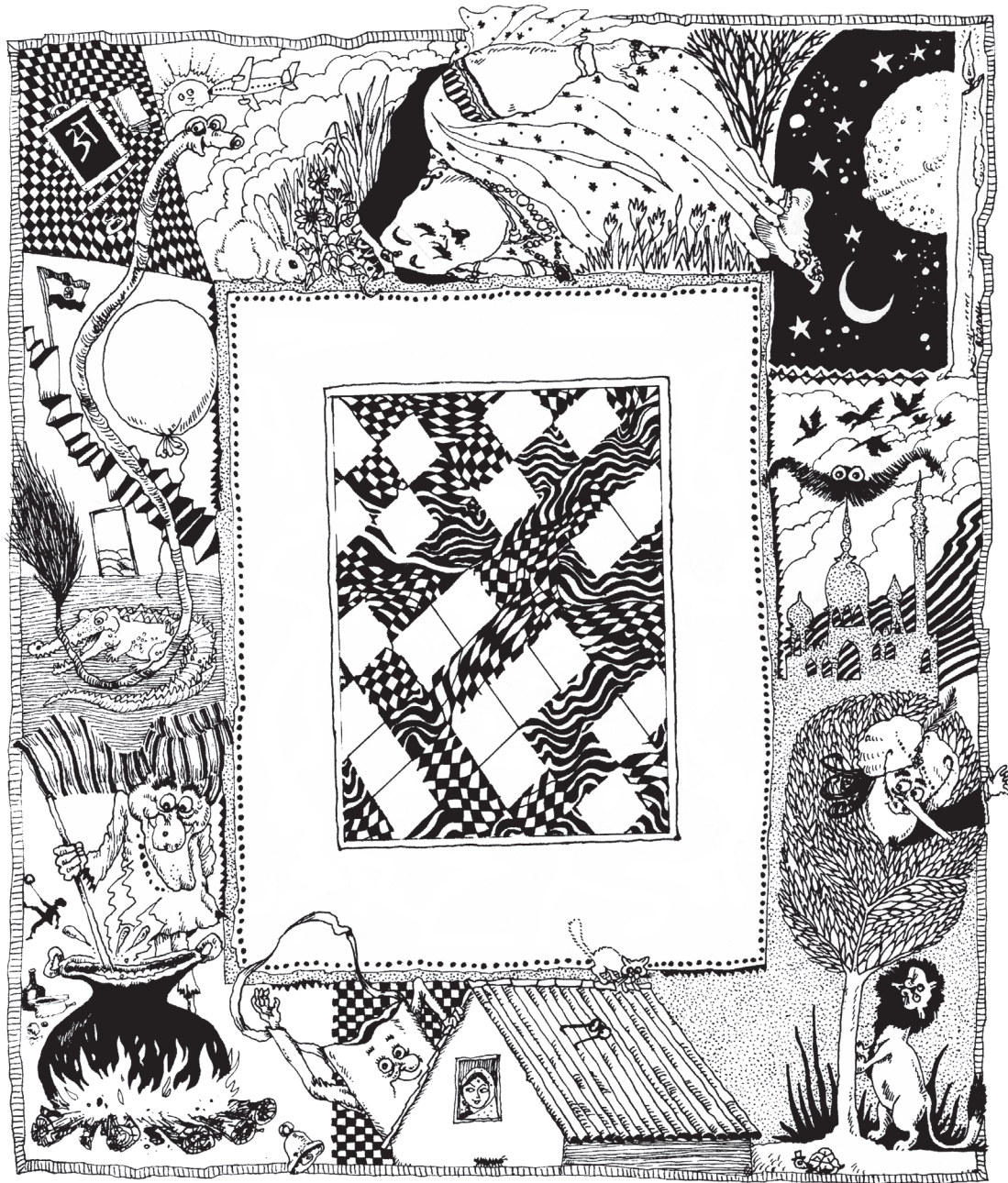


राजा के ऊपर ओझा,  
ओझा के पीछे झोला,  
झोले के नीचे गुब्बारा,

रानी के आगे गोलगप्पा,  
मूँछ के नीचे राजा,  
पूँछ के आगे ओझा।







किधर खो गए हैं ये सब,  
खोजो तो जाने हम तब।







vxMe cxMe xkyexky  
 , u-, Q-bZds t knweaMky

^eSviusvki i<w & gyxy dFkk\* , u-, Q-bZ dsfy, gA ; set nkj fdrka  
 dFkk }kjkrS kj dhxbZgA gyxy dFkk ea8&14 l ky dh yMfd; kvS  
 yMela dks vdf'kZ djus ds fy, gL; vS rdcnh dk Hjiy rek kk gA  
 dFkk jpuked y[ku dh , d i t h r] vykH d kj h l d Fkk gA